OUR PUBLICATIONS

Iobus Press

448, Pocket-V, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-110091 (INDIA)
Ph.: 011-22753916

ISSN 0975-119X

UGC-CARE GROUP I LISTED

वर्ष 12 अंक 6 नवंबर-दिसंबर 2020

दृष्टिकोण

कला, मानविकी एवं वाणिज्य की मानक शोध पत्रिका

India's Leading Referred Hindi Language Journal

IMPACT FACTOR : 5.051

ब्लेंडेड लर्निंग-एक नवाचार

डॉ० प्रगति भटनागर

सहायक आचार्य, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, जैन विश्व भारती संसथान, मान्य विश्वविद्यालय, लाडनूं

डॉ० मनीष भटनागर

सहायक आचार्य, शिक्षा विभाग, जैन विश्व भारती संसथान, मान्य विश्वविद्यालय, लाडनूं

सार

कोविड महामारी के इस दौर मेंटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों ने शिक्षण एवं अधिगम के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। आज के इस आधुनिक युग में मेआईसीटी ने शिक्षा के हर क्षेत्र में एक नया आयाम प्रदान किया है। ब्लेंडड लर्निंग अथवा मिश्रित लर्निंग शिक्षण अध्यापन के क्षेत्र में एक नवाचार है। इस प्रणाली में फेस टू फेस तथा ऑनलाइन शिक्षण एवं अधिगम के समन्वय द्वारा शिक्षण एवं अध्यापन कार्य किये जाते है। इस पत्र में ब्लेंडेड लर्निंग टेक्नोलॉजी की अवधारणा, विभिन्न आयामों, घटकों, मॉडल्स,लाभ तथा कमियों की विस्तार से चर्चा की गयी है।

प्रस्तावना

कोविड महामारी के इस दौर में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों ने शिक्षण एवं अधिगम के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। आज के इस आधुनिक युग में मेआईसीटी ने शिक्षा के हर क्षेत्र में एक नया प्रदान आयाम किया है। ब्लेंडड लर्निंग अथवा मिश्रित लर्निंग शिक्षण अध्यापन के क्षेत्र में एक नवाचार है। ब्लेंडेड लीर्निंग में आधुनिक तकनीक को शिक्षण तथा अधिगम में एकीकृत किया जाता है, जिससे की परंपरागत कक्षा कक्ष में आने वाली कमियों को सुधारा जा सके। ब्लेंडड लर्निंगएक प्रभावशाली शिक्षण विधि है जो शिक्षण में सहायता प्रदान करता है तथा विद्यार्थी के अधिगम प्राप्त करने के अनुभव को समृद्ध करता है। ब्लेंडेड लर्निंग में सूचना तकनीक और अनुदेशात्मक तकनीक का संयुक्त रूप से उपयोग कर न्युनतम संसाधनों के द्वारा ज्यादा से ज्यादा शैक्षणिक उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सकती है।

ब्लेंडे लर्निंग अध्यापक शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु–

शिक्षण व्यवसाय हमारे समाज में सबसे चुनौती पूर्ण व्यवसाय है। ज्ञान का तेजी से विस्तार हो रहा है एवं आधुनिक तकनीक की यह मांग है कि शिक्षक अपने शिक्षण में इन तकनीको का उपयोग करना सीखे। ब्लेंडेड लर्निंग शिक्षण एवं अधिगम की गुणवता को बढ़ाने में मदद करती है। ब्लेंडेड लर्निंग ने शिक्षण विधि को नए आयाम दिए है। ब्लेंडेड लर्निंग एक शक्तिशाली साधन है जिसके द्वारा शिक्षा की संभावनाओ का विस्तार किया जा सकता है एवं क्लास रूम में ज्यादा संसाधनों और शिक्षण सामग्री को परस्पर वार्तालाप हेतु उपयोग में लाया जाता है। ब्लेंडेड लर्निंग के एकीकरण द्वारा शिक्षण एवं अधिगम को परस्पर संवादात्मक बनाया जा सकता है। अत: आज के समय में शिक्षक को ब्लेंडेड लर्निंग के आयामों से परिचित होना अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे अपने कार्यो को अच्छे रूप से नियोजित कर सकेद्य ब्लेंडेड लर्निंग शिक्षा के क्षेत्र में एक नयी तकनीक है जिसमे विभिन्न प्रणालियों जैसे अनुदेशात्मक प्रणाली, पारंपरिक शिक्षण, कंप्यूटर द्वारा शिक्षण तथा ऑनलाइन टीचिंगकामिश्रित रूपमें उपयोग कर शिक्षण को अधिक प्रभावशाली एवं रुचिकर बनाया जाता है।

ब्लेंडेड लर्निंग परिभाषाये-

ब्लेंडेड लर्निंग एक विकासवादी प्रक्रिया है। पूरे विश्व में शिक्षार्थी आज इस नयी प्रणाली का उपयोग कर लाभान्वित हो रहे है। ब्लेंडेड लर्निंग परंपरागत शिक्षण से कही बेहतर है जहा शिक्षण सामग्री विद्यार्थी तक पहुचाने के लिए केवल एक ही माध्यम का उपयोग किया जाता है। ब्लेंडेड टेक्नोलॉजी में विभिन्न माध्यमो द्वारा विद्यार्थी कों शिक्षण सामग्री प्रेषित की जा सकती है एवं विभिन्न तकनीको का उपयोग कर शिक्षण को अधिक रुचिकर तथा प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में ब्लेंडेड लर्निंग ऑनलाइन लर्निंग और क्लासरूम लर्निंग का एक सम्मिलित स्वरुप है जिसमे ऑनलाइन कोर्सेज के साथ साथ फेस तो फेस सम्प्रेषण भी उपलब्ध रहता है. बोंक के अनुसार ब्लेंडेड लर्निंग की तीन सामान्य परिभाषाये

- अनुदेशन अथवा शिक्षण सामग्री संप्रषित करने के विभिन्न माध्यमो का संयोजन
- अनुदेशन देने के विभिन्न तरीको का संयोजन
- ऑनलाइन एवं फेस टू फेस अनुदेशनों का संयोजन

ब्लेंडेड लर्निंग वह लर्निंग प्रोग्राम है जहा एक से ज्यादा शिक्षण तकनीकों और माध्यमो का उपयोग किया जाता है। ब्लेंडेड लर्निंग में ऑनलाइन और फेस टू फेस लर्निंग के सर्वोतम घटकों का उपयोग किया जाता है। यह भविष्य में उपयोग में आने वाली सबसे प्रमुख टीचिंग एवं लर्निंग प्रणाली के रूप में उभर

रही है तथा अन्य प्रणालियों से अधिक उपयोगी सिद्ध हो रही है। ब्लेंडेड लर्निंग वभिन्न अधिगम तकनीको एवं माध्यमों का संयोजन है जो की अधिगमकर्ता के ज्ञान एवं अनुभव को विशिष्ट लाभ प्रदानकरती है।

ब्लेंडेड लर्निंग की अवधारणा-

ब्लेंडेड लर्निंग चार विभिन्न अवधारणाओ उल्लेखित किया जा सकता है

1. वेब बेस्ड टेक्नोलॉजी की विभिन्न प्रणालियों का संयोजन-किसी भी शिक्षण लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लाइव वर्चुअल क्लास रूम, सेल्फ पेस्ड इंस्ट्रक्शन, सहयोगी अधिगम, विडियो स्ट्रीमिंग, ऑडियो और टेक्स्ट को अलग अलग मात्राओ में मिश्रित किया जा सकता है।
2. विभिन्न शिक्षण पधय्तियो का संयोजन ख्रअधिगम का सर्वोतम परिणाम प्राप्त करने के लिए व विभिन्न शिक्षण पधय्तियो जैसे रचनावाद, व्यवहारवाद तथा संज्ञानात्मक को अनुदेशन अथवा बिना अनुदेशन टेक्नोलॉजी के मिश्रित किया जा सकता है।
3. विभिन्न अनुदेशन टेक्नोलॉजी का संयोजन- अनुदेशन टेक्नोलॉजी जैसे वेब आधारित प्रशिक्षण, एवं कंप्यूटर एडेड अनुदेशन को फेस टू फेस अनुदेशन आधारित प्रशिक्षण से जोड़ा जा सकता है।
4. अनुदेशन टेक्नोलॉजी को वास्तविक कार्यो से जोड़ना - कार्य क्षेत्र के अनुभव को अधिगम अनुभव से संयोजित कर अधिकतम प्रभावशाली परिणाम प्राप्त किये जा सकते है।

ब्लेंडेड लर्निंग एक नवाचार है जो कि एक ऐसा मनोहर अधिगम का वातावरण उत्पन्न करता है जो अधिगमकर्ता को संतुष्टि एवं स्वायतता प्रदान करता है।

ब्लेंडेड लर्निंग के घटक-

ब्लेंडेड लर्निंग में विभिन्न अधिगम के तरीको द्वारा व्यक्तिगत विभिन्नताओ को पूरा किया जा सकता है।ब्लेंडेड लर्निंग में फेस टू फेस लर्निंग, इन्टरनेट आधारित वीडियो,इ-कोर्सेज, इलेक्ट्रॉनिक परफॉरमेंस सपोर्ट सिस्टम, ऑडियो - विडियो बुक्स, प्रिंटेड बुक्स, ऑफ लाइन वीडियोस आदि शामिल है। ब्लेंडे लर्निंग के पांच महत्वपूर्ण घटक है

- लाइव इवेंट्स
- सेल्फ पेस्ड लर्निंग
- कोलैबोरेशन
- अस्सेस्मेंट
- परफॉरमेंस सपोर्ट

लाइव इवेंट-

यह ब्लेंडेड लर्निंग का सबसे महत्वपूर्ण घटक है जिसमे सभी अधिगमकर्ता एक ही समय में भाग लेते है जैसा की लाइव वर्चुअल क्लासरूम में होता है।

सेल्फ पेस्ड लर्निंग-

अर्थ है स्वयं सीखना। विद्यार्थी अपनी क्षमता अनुसार एवं अपने समय का अपनी सुविधानुसार उपयोग कर स्वयं अध्ययन कर सकता है। इसमे वह रिकार्डेड विडियो तथा इन्टरनेट पर उपलब्ध सामग्री को कभी भी देख सकता है। किसी कंटेंट अथवा पाठ्य सामग्री को कई बार पढ़ कर समझ सकता है।

कोलैबोरेशन(सहयोग)-

कोलैबोरेटीव् लर्निंग अथवासहयोगी अधिगम में विद्यार्थी को टीम में कार्य करने की क्षमताओ का विकास करने का अवसर मिलता है। इस प्रणाली में विद्यार्थी मिल जुल कर, चर्चा कर किसी समस्या का समाधान सामूहिक तौर पर खोजते है। इसमे विद्यार्थी एक दुसरे से लाइव चर्चा कर सकते है साथ ही वर्चुअल क्लासरूम में चौट, ईमेल आदि का उपयोग कर अपने विचारो का आदान प्रदान कर सकते है।

अस्सेस्मेंट(मूल्यांकन)–

मूल्यांकन ब्लेंडेड लर्निंग का सबसे अहम् भाग है। इसमे ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों प्रकार से मूल्यांकन किया जाता है। इसके द्वारा विद्यार्थी यह जान सकता है की उसने अब तक क्या सीखा? मूल्यांकन के द्वारा अधिगम की विभिन्नतकनीको की प्रभावशीलता को भी नापा जा सकता है।

परफॉरमेंस सपोर्ट (संपादन सहयोग)–

यह अधिगम एवं याद रखने की क्षमता को बढ़ाता है। इसमे प्रिंटेड टेक्स्ट बुक्स, पर्सनल डिजिटल असिस्टेंस, पोर्टेबल डॉक्यूमेंट फॉर्मेट, थ्री-डी एनीमेशन, मल्टीमीडिया लर्निंग ऑब्जेक्ट तथा एम. पी 3 ऑडियो डाउनलोड शामिल है।

ब्लेंडेड लर्निंग के मॉडल -

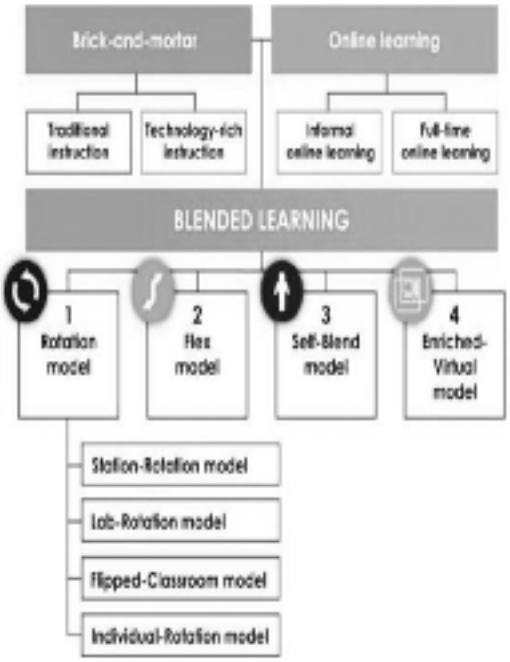

स्टेशन रोटेशन मॉडल-

इस मॉडल में किसी कोर्स अथवा विषय के विद्यार्थियों को विभिन्न समूहों में बाटा जाता है। शिक्षक कुछ लर्निंग स्टेशन निश्चित करते है। जैसे ऑनलाइन लर्निंग, व्यक्तिगत शिक्षण, प्रोजेक्ट वर्क, असाइनमेंट आदि। विद्यार्थी इननिश्चित स्टेशनो के चारो ओर बारी बारी से जाता है।

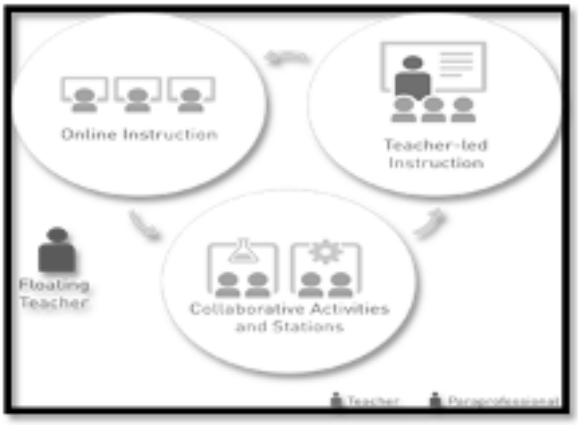

लैब रोटेशन मॉडल-

यह मॉडल k-12 एजुकेशन के लिए एक अनुकूल मॉडल है। इस मॉडल में किसी कोर्स के लरनर्स को कैंपस में उपलब्ध कोर्सेज में एक ऐसेकोर्स को चुनना होता है जिसमे ऑनलाइन लर्निंग लैब और विभिन्न कलास रूम गतिविधिया होती है।

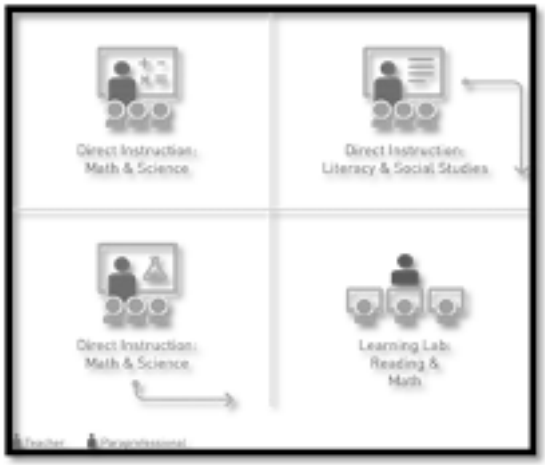

फ्लिप्पड क्लास रूम–

फ्लिप्पड लर्निंग शिक्षण की एक आधुनिक प्रक्रिया है। यह पारंपरिक कक्षा कक्ष के विपरीत होती है। पारंपरिक शिक्षण में क्लास टाइम को पढ़ाने के उपयोग में लाया जाता है तथा अभ्यास कार्य घर पर करने के लिए दिया जाता है जबकि फ्लिप्पड क्लास रूम में शिक्षण सामग्री शिक्षण के पहले ही उपलब्ध करा दी जाती है तथा क्लास के समय कोचर्चा, व्याक्तिगत अधिगम को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थी एवं शिक्षक के बीच सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है।

इंडिविजुअल रोटेशनल मॉडल-

हम इस मॉडल को किसी दिए गए कोर्स अथवा सब्जेक्ट में लागु करते है। इस मॉडल में व्यक्ति बारी बारी से से निश्चित कार्यक्रम के अनुसार हर स्टेशन पर जाता है। सीखने की हर प्रणाली का उपयोग करता है जिसमे कम से कम एक ऑनलाइन लर्निंग का भाग अवश्य होताहै।

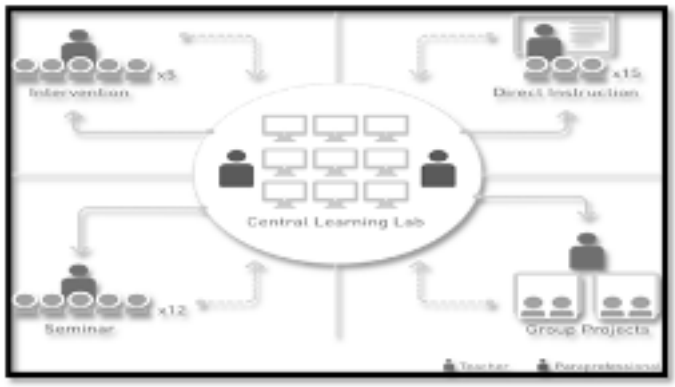

सेल्फ ब्लेंड मॉडल-

यह एक प्रोग्राम स्तर का मॉडल है। जिसमे विद्यार्थी परम्परागत वातावरण में पढ़ते है तथा अपनी लर्निंग को और अधिक बढ़ाने के लिएउपलब्ध ऑन लाइन कोर्सेज का उपयोग भी करते है। यह प्रणाली उन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है जो स्वप्रेरित है तथा जो कुछ कक्षा कक्ष में सिखाया गया है उससे कुछ ज्यादा सीखने में रूचि रखते है।

फ्लेक्स मॉडल-

इस मॉडल में ऑनलाइन लर्निंग केंद्र में होती है। विद्यार्थी अपने निश्चित लक्ष्य के अनुसार एवं अपने समय की अनुकूलता के आधार पर अपना अध्ययन करता है। इस पध्यती में विद्यार्थी ऑनलाइन तथा फेस टू फेस लर्निंग दोनों प्रकार के अनुभव प्राप्त करता है। फेस टू फेस लर्निंग अनुभव चर्चाओ द्वारा, प्रोजेक्ट द्वारा तथा अध्यापको द्वारा प्राप्त किये जाते है किन्तु ज्यादातर लर्निंग ऑनलाइन ही होती है।

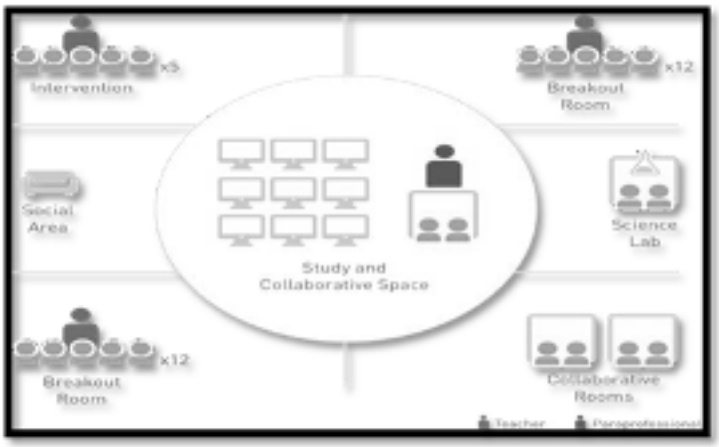

एनरिचड वर्चुअल मॉडल-

हम जब किसी कोर्स अथवा विषय में इस मॉडल को अपनाते है तो विद्यार्थी का समय ब्रिक और मोर्टर (ईट और पत्थर) कैंपस में उपस्थित होने में विभाजित किया जाता है और इंस्ट्रक्शन ऑनलाइन दिए जाते है। प्रमुख रूप से लर्निंग ऑनलाइन ही होती है किन्तु आवश्यकता होने पर विद्यार्थी अपनी जरुरत के अनुसार कैंपस में आ कर अपनी समस्या का समाधान कर सकता है।

ब्लेंडेड लर्निंग में नित नए आयाम जुड़ रहे है। एजुकेशनल टेक्नोलॉजी में हो रहे नवाचार ब्लेंडेड लर्निंग को और गतिशील बना रहे है। यह प्रणाली भविष्य की शिक्षा प्रणाली का आधार है जो की फेस टू फेसलर्निंग एवं टेक्नोलॉजी के समन्वय द्वारा विद्यार्थियों में अध्ययन एवं अध्ध्यापन की नयी संभावनाओ का विकास करने में सक्षम है।

ब्लेंडेड लर्निंग के लाभ -

- ब्लेंडेड लर्निंग में विद्यार्थी शिक्षण के केंद्र में रहता है तथा इस प्रणाली द्वारा अधिगम प्रतिफल भी बिना किसी बड़े आर्थिक व्यय के आसानी से प्राप्त किये जा सकते है।

- इस प्रणाली का लाभ दूर से भी विद्यार्थी प्राप्त कर सकता है।
- इस प्रणाली में ऑनलाइन और फेस टू फेस लर्निंग का समन्वय होने के कारण ऑनलाइन शिक्षण में आ रही समस्याओ का समाधान संभव है।
- यह एक लचीली प्रणाली है जिसमे विद्यार्थी अपने समय और सुविधानुसार अध्ययन कर सकता है उसे हर समय शिक्षण सामग्री उपलब्ध रहती है।
- शिक्षण प्रबंधन आसन हो जाता है। विद्यार्थी की समस्याओ का समाधान वर्चुअल ऑफिस द्वारा आसानी से किया जा सकता है।
- शिक्षण की सुलभता और लागत में कमी ब्लेंडेड लर्निंग के महत्वपूर्ण लाभ है।
- ऑनलाइन शिक्षण सामग्री को समय समय पर सुधारा जा सकता है।
- विद्यार्थी को प्रचुर मात्रा में शिक्षण सामग्री उपलब्ध रहती है।
- इस प्रणाली में विद्यार्थी आसानी से दुसरे विद्यार्थियों एवं शिक्षको से वार्तालाप कर अपनी समस्या का समाधान कर सकता है।
- ब्लेंडेड लर्निंग व्यक्तिगत शिक्षण सहयोग एवं प्रभावी अधिगम प्रतिफल प्रदान करती है।

ब्लेंडेड लर्निंग की कमिया -

- अधिक समय लेने वाला–ब्लेंडे लर्निंग वातावरण को निर्मित करने के लिए शिक्षक कोप्रारंभ में बहुत मेहनत करनी पड़ती है। शिक्षण पाठ्यक्रम तैयार करना, असाइनमेंट तैयार करना आदि में बहुत समय लगता है।
- टेक्निकल संसाधनों पर निर्भरता– ब्लेंडे लर्निंग की सफलता अच्छे इन्टरनेट कनेक्शन एवं संसाधनों पर निर्भर है।
- विद्यार्थी की स्वप्रेरणा ख्रयदि विद्यार्थी स्वप्रेरित नहीं है तो यह प्रणाली विद्यार्थी के लिए लाभकारी सिद्ध नहीं हो सकती।

सारांश–

ब्लेंडे लर्निंग फेस टू फेस लर्निंग एवं ऑनलाइन लर्निंग के समन्वय से एक ऐसा वातावरण तैयार करता जो शिक्षक तथा विद्यार्थी दोनों को ही शिक्षण तथा अधिगम के नए और बेहतर अवसर प्रदान करता है। ब्लेंडेड लर्निंग में ऑनलाइन वातावरण में विद्यार्थी अपने समय, गति और सुविधानुसार अपनी शिक्षण और अधिगम क्रियाओ को संपन्न कर सकता है। ब्लेंडेड लर्निंग का लक्ष्य नयी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर सीखने वाले को केंद्र में रख कर शिक्षण प्रदान करना है।यह प्रणाली विद्यार्थियों, शिक्षको और साथियों के मध्य संवादात्मक वातावरण निर्मित करती है जो शिक्षण एवं अधिगम को नये आयाम एवं सम्भावनाये प्रदान करती है। कई अनुसंधानों के परिणाम यह बताते है की परंपरागत शिक्षण तुलना में ब्लेंडेड लर्निंग द्वारा छात्रों में संतुष्टि स्तर एवं अधिगम प्रतिफल के अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं। ब्लेंडेड लर्निंग का उद्देश्य शिक्षण एवं अधिगम के बेहतर अनुभव प्रदान करना है।

References &

- CihadSentürk (2020)- Effects of the blended learning model on preservice teachers* academic achievements and twenty&first century skills- Springer Science$Business Media] LLC] part of Springer Nature-
- Deivam] M-] &Devaki] N- (2015)- Innovative Instructional Strategies for Teaching Educational Psychology-International Journal of Information and futuristic Research- 3(2)] 369&376-
- Deivam] M-] &Devaki] N- (2015)- Effectiveness of Blended Learning Approach in Teaching of Educational Psychology among B-EdTrainees*- International Journal of Development Research-5(9)] 5558&5561-
- HarjeetKaur Bhatia-(2012)-Reflections On Blended Learning and Peer Collaboration in Teacher Education- New Delhi% Global Books Organization-
- Muthuchamy-]&Thiyagu (2011)- Technology and Teaching Learning Skills- New Delhi% Kalpaz Publication-
- Sivasankar- (2011)-Development] Valuation and Effectiveness of Blended Learning Modules on Teaching of Science at B-Ed level (Doctoral thesis)-Bharathidasan University] Tamil Nadu] India-
- Sreedevi] P-S- (Eds-)-(2016)-Professional Development and ICT in Education- New Delhi% APH PublishingHouse-
- Sreekala]E (2016)-Effectiveness of Blended Learning Programme on Academic Achievement of Student Teachers (April 30]2016)-Available at SSRN% https%@@ssrn-com@abstract¾2772968-
- Sreekala-E] Maria Josephine Arokia Marie- S]Arulthirumurugan- S- (2015)-Transforming Pedagogy Through Social Learning Platform-ABlended
- LearningApproach- International Journal of Management and Social Science Research Review]1(14)] 360&366-
- Tinzmann] M-B-] Jones] B-F-] Fennimore] T-F-] Bakker] J-] Fine] C-] & Pierce] J- (1990)- What Is the Collaborative ClassroomRetrieved from http%@@www-ncrel-org@sdrs@areas@rpl_esys@collab-htm-